17.1 पत्र – 1 (भाषा ज्ञान) : कुल प्रश्न – 120, परीक्षा अवधि – 2 घंटा

(क)	हिन्दी भाषा ज्ञान	–	60 प्रश्न
(ख)	अंग्रेजी भाषा ज्ञान	–	60 प्रश्न

*भाषा ज्ञान में प्राप्त अंक मात्र अर्हक (**Qualifying**) होगा, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिए हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान में प्राप्त अंको को जोड़ कर 30% अंक प्राप्त करना निर्धारित रहेगा। इस पत्र में प्राप्त अंक मेधा सूची निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।*

17.2 पत्र – 2

<u>जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा, कुल प्रश्न–100, परीक्षा अवधि– 2 घंटा</u>

उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडूख(उरांव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

17.3 पत्र– 3

<u>सामान्य ज्ञान, कुल प्रश्न–150, परीक्षा अवधि– 2 घंटा</u>

(क) सामान्य अध्ययन	–	30 प्रश्न
(ख) सामान्य विज्ञान	–	20 प्रश्न
(ग) सामान्य गणित	–	20 प्रश्न
(घ) मानसिक क्षमता जाँच	–	20 प्रश्न
(ङ) कम्प्यूटर का ज्ञान	–	20 प्रश्न
(च) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	40 प्रश्न

सामान्य ज्ञान परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी:– पत्र–1 (भाषा ज्ञान) की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30% (तीस प्रतिशत) है। इससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जायेंगे तथा ऐसे अभ्यर्थियों के पत्र–2 एवं पत्र–3 का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा। इसी तरह चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा प्रश्न पत्र–2 में 30 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के प्रश्न पत्र–3 का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

<u>पत्र – 1 (भाषा ज्ञान)</u>

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :–

(i)	हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न	–	30 प्रश्न
(ii)	हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न	–	30 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :–

(i) अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न – 30 प्रश्न

(ii) अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न – 30 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

पत्र – 2 (क्षेत्रीय भाषा)

उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडूख (उरांव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

Urdu Language and Literature

1. **Urdu Literature Prose**

I.	Kafan	- Premchand
II.	Naya Qanoon	- Saadat Hassan Munto
III.	Aakhri Harba	- Elyas Ahmed Gaddi.

Poems

I.	Muflisi	- Nazeer Akbarabadi
II.	Subh-e-Azadi	- Faiz Ahmed Faiz
III.	Waladat Nabvi	- Hali.

Ashar

I. Aai Rashni-e-tabe jala kiyon Nahi deti - Siddque Mujeebi
II. Sabnam Bhigi Ghas per chalna kitna aachha lagta hai - Prakash Fikri
III. Tamannaon Main Uljhaya gaya Hoon - Shad Azimabadi.

2. Umraojan Ada - Mirza Hadi Ruswa.

3. **Grammar**

I. Gender
II. Opposite
III. Meaning
IV. Singular
V. Plural
VI. Similar.

कुरमाली

1. **व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, कारक, पुरूष, क्रिया, अव्यय, विशेषण, प्रत्यय, उपसर्ग, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पहेली (बुझौवल)।

2. कुरमाली लोकसाहित्य :–

   क. लोक साहित्य की परिभाषा, कुरमाली लोककथा, वर्गीकरण, लोकनाट्या लोकगीत : डाँइडधरा, एढ़ेइया, बाँदना, करम, बिहा, डमकच।

   ख. शिष्ट साहित्य : आधुनिक कविता की प्रवृतियाँ, कवित–रचना–विधान

   ग. कहानी : कुरमाली केहनी जड़ती की सभी कहानियाँ।

   घ. निबंध : महाकवि विनन्द सिंह, गौरांगिया, संतकवि सृष्टिधर, संतकवि महीपाल, डॉ नन्द किशोर सिंह

हो

1. **व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, पुरूष, विलोम शब्द, काल, मुहावरे, पहेली, कहावत आदि।

2. **साहित्य** :–

   (क) हो लोक साहित्य :– अर्थ, परिभाषा, हो आदिवासी के उद्‌भव और विकास, गोत्र। लोकगीत–मागे, बा, हेरोः जोमनमा आदि।

   (ख) हो शिष्ट साहित्य

   (ग) नाटक– गिरूनगर– चोम्पानगर

   (घ) उपन्यास– होकुड़ि

   (ड.) निबंध :– मागे पोरोब, हेरो पोरोब, हेरमुट, बा पोरोब, जोनोम, दोस्तुर, आंदि दोस्तुर, गोनोःय दोस्तुर।

   (च) कविता :– हर्ताहसा, जोनोम दिसुम, अले दिसुमरे, अबुअः नमा भारत, दुल सुनुम जुलोः दिसुम लागिड।

खोरठा

1. <u>गद्य भाग</u>

   (क) छाँइहर (कहानी संग्रह) – लेखक – चितरंजन महतो चित्रा

   (ख) सोंध माटी (कहानी संग्रह) – लेखक – डॉ0 विनोद कुमार

   (ग) खोरठा निबन्ध – लेखक – डॉ0 बी0एन0 ओहदार

2. <u>पद्य भाग :–</u>

   (क) दामुदेरक कोराञ् – लेखक – शिवनाथ प्रमाणिक

   (ख) ऑखीक गीत – लेखक – श्री निवास पानुरी

   (ग) खोरठा–कोठ पइदेक खेड़ी – लेखक – डॉ0 ए0के0झा

   (घ) एक मउनी फूल – लेखक – संतोष महतो

3. <u>नाटक</u>

(क) डाह – सुकुमार

(ख) अजगर – लेखक – विश्वनाथ दसौधी राज

(ग) चाभी काठी – लेखक – श्री निवास पानुरी

(घ) उदवासल कर्ण – लेखक – श्री निवास पानुरी

4. <u>साहित्य की अन्य विद्याएँ:–</u>

(क) संस्मरण

(ख) जीवनी

(ग) यात्रा वृवांत

(घ) शब्द चित्र

खड़िया

1. व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, क्रिया, काल, विशेषण, अव्यय, प्रत्यय, पहेलियॉ, मुहावरे, बुझावल, उल्टा शब्द आदि।

2. (क) खड़िया साहित्य – अर्थ, परिभाषा, भेद–उपभेद, खड़िया जाति का उद्‌भव और विकास, गोत्र विभाजन, गढ़ विभाजन।

लोकगीत– जाङ कोर, कमर बंदोई, कदलेटा, जनम पर'ब, मुरड', बिहा (केरसोङ)

(ख) खड़िया शिष्ट साहित्य – गद्य–पद्य साहित्य।

(ग) कहानी – लोककथा।

(घ) निबंध – शहीद तेलेंगा खड़िया, गोपाल खड़िया, खड़िया महासभा, बंदोई, जाङ कोर, करम, जनम पर'ब'।

पंच परगनिया

1. व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, वाक्य, काल समास, अव्यय, मुहावरा, पहेलि, बुझौवल आदि।

2. साहित्य – पंच परगनिया लोक साहित्य–अर्थ, परिभाषा, भाग, विभाग, पंच परगनिया भाषा साहित्य की विशेषतायें आदि।

3. लोकगीत – पुस लोक गीत, बिहा गीत, करम गीत, सँहरइ गीत, मंत्र गीत और बालगीत आदि।

4. मध्यकालीन कवियों की काव्य रचना – पाठयांश।

5. कहानी – पाठयांश से संबंधित कहानी।

6. निबंध– सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक भौगोलिक विषयों पर आधारित

संथाली

1. व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, क्रिया, काल, विशेषण, अव्यय, प्रत्यय, पहेलियाँ, मुहावरे, बुझोबोल

2. साहित्य–

(क) संताली लोक साहित्य – अर्थ, परिभाषा, भाग– विभाग, संतालों का उद्भव और विकास, गोत्र विभाजन, गाढ़ विभाजन।

लोक गीत– डाहार, बाहा, सोहराय, काराम दोङ, दाँसाय।

(ख) संताली शिष्ट साहित्य – कविता, कुङकुरूबुद, साँवहेंत्, मारांड़ो, सेंगेल, बिरसा मुण्डा, तुपुनघाट, साना, राहला रिमिल।

(ग) कहानी – माड़घाटी, तारा आञ्चार, आनखा लाहा, काथा रेनाङ गोनोङ।

(घ) निबंध – सिदो कानहू हुल, बाबा तिलका माँझी हुल, डिबा किसुन हुल, बिरसा आन्दोलन।

उड़िया

1. <u>भाषा विभाग</u>

भाषा

उपभाषा

भाषार उत्पति सिधांत

भाषा परिबर्त्तनर कारण

भाषा परिबर्त्तनर दिग

ध्वनि परिबर्त्तनर कारण

उड़िया भाषा उपरे अन्यान्य भाषार प्रभाव

2. <u>उड़िया साहित्यर इतिहास</u>

आरम्भरु पंचसखा युग पर्यन्त

लोकगीत

लोक कहाणी

लोक नाट्क

लोक वाणी

शरला दास पंचसखा युग (बलराम दास, जगन्नाथ दाश, अच्युतानन्द दास, जशोवंत दास, अनंत दास)

सहायक ग्रंथसूची

(क) भाषा विज्ञानर रूपरेख — डॉ0 वासुदेव साहु

(ख) उड़िया भाषार उनमेश ओ विकाश — डॉ0 वासुदेव साहु

(ग) भाषा शास्त्र परिचय — डॉ0 गोलक विहारी धल

(घ) ध्वनि विज्ञान — डॉ0 गोलक विहारी धल

3. गल्प विभाग

गल्प ओ एकांकिका — Edition 2000 (OBSE)

(क) रेवती — फकीर मोहन सेनापति

(ख) तुमे कि सते पथर हेल — गोदावरीश महापात्र

(ग) बउला — राज किशोर राय

(घ) आईवुढ़ी — वंसत कुमार सतपथि

(ङ) अशुभ पुत्रर काहाणी — अच्युतानंद पति

4. एकांकिका विभाग

गल्प ओ एकांकिका Edition 2000 (OBSE)

(क) दूर पाहाड़ — प्राणवन्धु कर

(ख) फल्गु — मनोरंजन दास

5. व्याकरण विभाग

विशेष्य, विशेषण, संधि, समास, वाक्य रूपान्तर, भ्रम संशोधन, समच्चारित शब्द, एकपदरे प्रकाश, कुदन्त तद्यित।

नागपुरी भाषा साहित्य पाठ्यक्रम

1. व्याकरण :— वर्ण, सज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, क्रिया विशेषण, अव्यय, समास, उपसर्ग प्रत्यय काल, क्रिया, वाक्य, उपसर्ग प्रत्यय, समास, अनेक शब्द के बदले एक शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, मुहावरे एवं कहावतें, वाक्य शुद्धि।

2. साहित्य :— (क) नागपुरी लोक साहित्य— लोक गीत, लोक कथा, पहेली, कहावत, मुहावरे

(ख) लोक गीत— डमकच, पावस, उदासी, फगुआ पंचरंगी, फगुआ पुछारी, झूमर, अंगनई, लहसुआ झुमआ, सोहराइ गीत।

(ग) नागपुरी लोक कथा—तिरियाँ चरित, वनाहरनी कर बेटा, सातभाई एक बहिन, छोटकी बोहोरिया, नवाँचाद आदर गोपीचांद।

(घ) नागपुरी शिष्ट साहित्य– वन केंवरा– भाग–एक–गद्य–पद्य संग्रह शकुंतला मिश्र एवं डॉ0 उमेश नन्द तिवारी

मुण्डारी

1. व्याकरण–संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग पुरूष, क्रिया, काल, विशेषण, अव्यय, प्रत्यय, पहेलियाँ, मुहावरे, बुझौवल।

2. साहित्य –

(क) मुण्डारी लोक साहित्य– अर्थ, परिभाषा, भाग–विभाग, मुण्डाओं का उद्भव और विकास, गोत्र विभाजन, गढ़ विभाजन।

लेकगीत– बा, करम, सोहराई, अड़ान्दि।

(ख) मुण्डारी शिष्ट साहित्य – कविता, बिरसा मुण्डा, प्रेम प्रसंग, प्रकृति गीत।

(ग) कहानी–करम कथा, सृष्टि कथा, जीव जन्तु की कथा, सियार और बुढ़ा की कथा।

(घ) निबन्ध– बिरसा मुण्डा के अलगुलान, गया मुण्डा, चोट्टि मुण्डा, माघे परब, माडा परब, सोहराई परब इत्यादि।

Bengali

1. Prose, Poetry, Drama

(A) Krishnakanter will - Bankim Chandra Chattopadhyay

(B) Pather Panchali - Bibhuti Bhushan Bandyopadhyay

(C) Chitra - Rabindranath Thakur (Selected)

(i) Sukh (ii) Urabashi (iii) 1400 sal (iv) Antarjami (v) Jibandebota

(D) Madhukari - Kalidas Roy (Selected)

(i) Mahakal (ii) Duiti Sattabani (iii) Mitrakkar (iv) Kalapahar

(v) Purano Kagajer Feriwala.

(E) Sajahan - Dwijendra Lal Roy

(F) Nananna - Bijon Bhattacharjee

(G) Sahityer Rup O Riti

(i) Mahakabya (ii) Gitikabya (iii) Tragedy (iv) Comdedy (v) Romanticism (vi) Classicism

Khudukh

1. व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, पुरूष, विलोम शब्द, काल, मुहावरे, पहेली, कहावत आदि।

2. साहित्य– (क) कुडुख़ लोक साहित्य– अर्थ, परिभाषा, उद्भव और विकास, गोत्र।

लोक गीत – बेंजा, लूझकी, तोकना डंडी, खद्दी करम, असारी, बरोया धुड़िया।

(ख) कुडुख़ शिष्ट साहित्य– नाटक, उपन्यास, कहानी, शहीद, निबन्ध, कविता, यात्रा वृत्तांत, आलोचना का उद्भव और विकास एवं विशेषताएँ।

पत्र –3 (सामान्य ज्ञान)

(क) **सामान्य अध्ययनः–**

इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के सम्बन्ध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जिसे कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जातीा है। इसमें झारखण्ड, भारत और पड़ोसी देशों के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय, वैज्ञानिक प्रगति, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएँ, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्त्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, आर्थिक परिदृश्य, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, पंचवर्षिय योजना।

झारखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति एवं राजनीतिक स्थिति की सामान्य जानकारी।

(ख) **सामान्य विज्ञानः–**

सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित प्रश्न रहेंगे। जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(ग) **सामान्य गणितः–**

इस विषय में सामान्यतः अंक गणित, प्राथमिक बीजगणित ज्यामिति, सामान्य त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति से संबंधित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) **मानसिक क्षमता जाँचः–**

इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनो प्रकार के प्रश्न रहेंगे। इस घटक में निम्न से संबंधित यथासंभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं –सादृश्य, समानता एवं भिन्नता, स्थान कल्पना, समस्या समाधान, विश्लेषण, दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंक गणितीय तर्कशक्ति, अंक गणितीय संख्या श्रृंखला एवं कूट लेखन तथा कूट व्याख्या इत्यादि।

(ङ) **कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञानः–**

इसमें कम्प्यूटर के विभिन्न उपकरणों, एम॰एस॰ विन्डो ऑपरेटिंग सिस्टम, एम॰एस॰ ऑफिस एवं इंटरनेट संचालन की विधि की जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

(च) **झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञानः–**

झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता, संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी, व्यक्तित्त्व, नागरिक उपलब्धियाँ, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के विषय इत्यादि।

18. मुख्य परीक्षा के आधार पर मेधा सूची का निर्माण :

(i) आयोग द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा के उपरांत विवरणिका की कंडिका–17.3 की टिप्पणी के अधीन प्रश्न पत्र 2 एवं 3 के विषयों के प्राप्तांक के योगफल के आधार पर सामान्य मेधा–सूची (Common Merit List) तैयार की जायेगी और मेधा–सह–विकल्प (Merit-cum-Option) के आधार पर कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

(ii) मेधा–सूची में एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक समान (Equal Marks) रहने पर मेधा का निर्धारण उम्मीदवारों की जन्म तिथि के आधार पर किया जायेगा तथा अभ्यर्थी, जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हे अपेक्षाकृत ऊपर स्थान मिलेगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक और जन्म तिथि समान पायी जाती है, तो ऐसी स्थिति में उनके स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा में प्राप्त अकों के आधार पर वरीयता का निर्धारण किया जायेगा, अर्थात स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को मेधाक्रम में ऊपर रखा जायेगा।

(iii) मेधा के आधार पर अनारक्षित पद के लिये तैयार मेधा सूची में समान मापदंड पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के आने की स्थिति में उक्त अभ्यर्थी की गणना अनारक्षित वर्ग के अनुमान्य पदों के विरूद्ध की जायेगी और उनके नाम के सामने उनका आरक्षण वर्ग भी वही होगा। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार से प्राप्त अद्यतन निर्देशों का पालन किया जायेगा।

(iv) परीक्षा में निम्न न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को मेधा–सूची में शामिल नहीं किया जायेगाः–

(I)	अनारक्षित	–	40 (चालीस) प्रतिशत
(II)	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं महिला	–	32 (बत्तीस) प्रतिशत
(III)	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग –(अनुसूची–1)	–	34 (चौंतीस) प्रतिशत
(IV)	पिछड़ा वर्ग अनुसूची–2	–	36.5 (साढ़े छत्तीस) प्रतिशत
(V)	आदिम जनजाति	–	30 (तीस) प्रतिशत
(VI)	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	–	40 (चालीस) प्रतिशत

(v) उपर्युक्त उप कंडिकाओं के आधार पर सामान्य मेधा–सूची तैयार की जायेगी और तदुपरान्त रिक्तियों के सापेक्ष आरक्षण कोटि वार चयन सूची गठित होगी।